प्रजातंत्र

प्रजातंत्र (Democracy):- Democracy शब्द दो ग्रीक शब्दों demos और Kratia से बना है। दोनों शब्दों का अर्थ जनता और शासन अर्थात प्रजातंत्र का अभिप्राय जनता के शासन से है।

Herodotus, "प्रजातंत्र उस शासन का नाम है जिसमें राज्य सर्वोच्च शक्ति संपूर्ण जनता में निवास करती है।"

Bryce, "प्रजातंत्र में शासन शक्ति किसी एक व्यक्ति और वर्ग विशेष में सीमित न होकर संपूर्ण जनता में स्थित रहती है।"

Seeley, "प्रजातंत्र वह शासन है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का एक भाग होता है।"

Dicey, "प्रजातंत्र वह शासन व्यवस्था है जिसमें राष्ट्र का अधिकांश शासन है।"

Dewey, "प्रजातंत्र का आधार मानव-प्रकृति की क्षमता तथा मानव बुद्धि एवं संचित तथा सहकारी अनुभव की शक्ति में विश्वास है।"

Hall, "प्रजातंत्र राजनीतिक संगठन का वह स्वरूप है जिसमें जनमत का नियंत्रण रहता है।"

Lewis, "प्रजातंत्र मुख्य रूप से वह सरकार है, जिसमें संपूर्ण राष्ट्र की बहुसंख्यक जनता संप्रभु-शक्ति के प्रयोग में भाग लेती है।

C.F. Strong, "प्रजातंत्र का अभिप्राय ऐसी सरकार से है, जो शासितों की सक्रिय स्वीकृति पर आधारित हो।"

Austin, "प्रजातंत्र वह शासन है जिसमें जनता का अपेक्षाकृत बड़ा भाग शासन करता है।"

Lincoln (लिंकन), "Democracy is a govt. of the people for the people & by the people." प्रजातंत्र का अर्थ जनता की, जनता के लिए जनता द्वारा बनाई जाई सरकार है।"

Giddings, "प्रजातंत्र केवल एक शासन का ही नाम नहीं है वरन राज्य का भी एक रूप है। और समाज के रूप का भी नाम है फिर तीनों का एक सम्मिश्रण है।"

Hearnshaw, "प्रजातंत्र केवल सरकार का ही स्वरूप नहीं बल्कि वह एक राज्य और समाज का भी स्वरूप है।"

Scanned with CamScanner

शास्त्रीय या उदारवादी प्रजातंत्र का अर्थ (meaning of Classical or Liberal Democracy) :-

प्रजातंत्र का व्यापक अर्थ :-

(a) शासन का स्वरूप (A form of gov.) :- इस संदर्भ में प्रजातंत्र सरकार का एक संगठन है जो जनता द्वारा निर्मित, नियंत्रित एवं संचालित होता है।

(b) राज्य का स्वरूप (A form of state) :- प्रजातंत्र में संप्रभुता जनता में निवास करती है। शासन व्यवस्था पर अंतिम अधिकार एवं निर्णय जनता के हाथ में रहता है।

(c) समाज का एक स्वरूप (A form of society) :- समानता प्रजातंत्र की आत्मा है। प्रजातंत्रीय समाज में सामाजिक विभेद का लोप हो जाता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व के विकास का समान अवसर दिया जाता है।

(d) आर्थिक स्वरूप (Economic aspect) :- आर्थिक स्वतंत्रता & समानता ही प्रजातंत्र के वास्तविक आधार हैं, क्योंकि एक भूखे व्यक्ति के लिए प्रजातंत्र का कोई महत्व नहीं है। जहाँ कहीं भी आर्थिक विषमता है, वहाँ प्रजातंत्र का कोई मूल्य नहीं है।

(e) जीवन का एक रूप (A way of life) :- प्रजातंत्र सहमति पर आधारित है। सबके हृदय में क्षमा, सहिष्णुता, सेवा, परोपकार, विरोधी दृष्टिकोण के प्रति आदरभाव, समझौता आदि प्रजातंत्र के विशिष्ट भाव हैं।

शास्त्रीय या उदारवादी प्रजातंत्र के भेद :-

प्रजातंत्र के दो भेद निम्नलिखित हैं :-

(i) प्रत्यक्ष प्रजातंत्र (Direct democracy)

(ii) अप्रत्यक्ष " (Indirect ")

प्रत्यक्ष प्रजातंत्र :- प्रत्यक्ष प्रजातंत्र शासन का वह रूप है जहाँ संपूर्ण जनता स्वयं शासन का संचालन करती है। इसमें संपूर्ण जनता एक सभा या परिषद में एकत्र होकर अपनी

Scanned with CamScanner

इच्छा प्रकट करती है। यह व्यवस्था वर्तमान समय में स्विट्जरलैण्ड के कुछ कैंटनों और U.S.A. के कुछ राज्यों में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र है।

प्रत्यक्ष प्रजातंत्र के विभिन्न तरीका :-

(i) जनमत - संग्रह (Referendum) :- इसका अर्थ यह है कि किसी प्रमुख विषय को जनता के सम्मुख निर्णयार्थ रखना। विधानमंडल जब कोई कानून बनाना चाहता है या संविधान में संशोधन करना चाहता है, तब उस विषय को जनता के समक्ष रखकर जनमत लेने के बाद ही ऐसा कर सकता है। इस प्रकार जनमत संग्रह के आधार पर जनता प्रत्यक्ष रूप से विधिनिर्माण में भाग लेती है। जनता का बहुमत प्राप्त होने पर ही विधानमंडल के प्रस्ताव कानून का रूप लेते हैं।

जनमत-संग्रह के दो रूप मिलते हैं - अनिवार्य तथा ऐच्छिक। जनमत-संग्रह स्विट्जरलैण्ड में मिलता है।

(ii) आरंभण (Initiative) :- इसका अभिप्राय उस तरीके से है, जिसके अनुसार मतदाताओं की एक निश्चित संख्या आरंभण कर सकती है। यह जनता का अधिकार है, जिसके द्वारा एक निश्चित जनसंख्या विधानमंडल को किसी विषय पर कानून बनाने के लिए बाध्य कर सकी सकती है। जैसे - स्विस के कैण्टनों में।

(iii) प्रत्यावर्तन (Recall) :- यह प्रत्यक्ष प्रजातंत्र का सर्वोत्तम साधन और जनता का वह अधिकार है जिसके अनुसार जनता अपने द्वारा विधायिका सभा में भेजे गए प्रतिनिधि को पुनः वापस बुलाने या पदच्युत करने का अधिकार रखती है। एक निश्चित बहुमत से यह व्यवस्थापिका में लगे हुए किसी भी सदस्य को उसके पद से हटा सकती है। इसका उदाहरण अमेरिका के अनेक उपराज्यों विशेषकर ओरिगन में मिलता है। भारत में जय प्रकाश नारायण भी इसी को लागू करना चाहते थे।

(iv) लोक - निर्णय (Plebiscite) :- इसके अनुसार किसी भी महत्त्वपूर्ण विषय पर जनता का मत लिया जा सकता है।

(v) लैण्ड्सजिमेण्डे (Landsgemende) :- यह पद्धति स्विट्जरलैण्ड के कुछ ही कैण्टनों में प्रचलित है, जिसके अनुसार वहाँ की जनता

WWW.CONNECTSCHOOL.COM
PAGE NO.
DATE : / /

प्रत्येक वर्ष आम सभा करती है और उसी सत्ता में शासन कार्यों पर विचार एवं विधि का निर्माण करती है।

अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र (Indirect democracy) :-

वर्तमान समय में प्रजातंत्र में जनता शासन में प्रत्यक्ष रूप से भाग न लेकर अपने द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों से शासन का संचालन करती है। इसके अंतर्गत कानून का निर्माण जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा होता है। e.g. India, USA

अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र के विभिन्न रूप हैं :-

(i) संसदीय या मंत्रिमण्डलात्मक (Parliamentary system)
(ii) अध्यक्षात्मक (Presidential)
(iii) संघात्मक (Federal)
(iv) एकात्मक (Unitary)

उदारवादी प्रजातंत्र के दोष :

अयोग्यों का शासन (A rule of Incompetents) :- * एच० जी० वेल्स, "प्रजातंत्र बुद्धिहीनों तथा अयोग्यों का शासन है।" * प्लेटो ने प्रजातंत्र को अज्ञानता का राज्य कहा है।" * लैकी के अनुसार, "प्रजातंत्र वह शासन प्रणाली है, जिसका संचालन सबसे अधिक दरिद्र और सबसे अधिक अज्ञानी लोगों के हाथ में होता है, जिनकी संख्या अधिक होती है।"

स्वामी वेल्स, "प्रजातंत्र को अपनों का मर्दन कहा है"

अनुत्तरदायी शासन (Irresponsible govt) :- फेगेट (Faguet), "प्रजातंत्र शासन के अंतर्गत शासन सत्ता एक अव्यवस्थित भीड़ के हाथ में रहती है। अतः किसी को शिकायत करनी है तो किससे करे।"

खोखला आदर्शवाद (Hollow idealism) :- बर्क, "प्रजातंत्र समानता का एक भयानक प्रपंच है।"

सभ्यता विरोधी (Anti civilization) :- गेटेल, * सर हेनरी मेन, "प्रजातंत्र बौद्धिक उन्नति, साहित्य, कला तथा विज्ञान का विरोधी है।"

धन और समय का अपव्यय :- गेटेल, "इसमें धन तथा समय दोनों का अपव्यय होता है।

Scanned with CamScanner

PAGE NO.
DATE: / /

वीर पूजा (Hero worship)

बहुमत का अत्याचार (Tyranny of the majority)

धनवानों का शासन (Administration of rich person)

वर्ग-विरोध को प्रोत्साहन (Encouragement to class antagonism)

नैतिक दृष्टिकोण से भी गलत

दलगत बुराइयाँ (Partisan evils)

संख्यात्मक शासन (Numerical administration)

लॉर्ड ब्राइस ने अपनी पुस्तक "Modern Democracy" में जनतंत्र का दोष बताया है।

उदारवादी प्रजातंत्र के गुण :-

जनमत पर आधारित (Based on public opinion)

समानता स्वतंत्रता तथा भ्रातृत्व पर आधारित

चारित्रिक विकास

व्यक्तित्व का विकास एवं आत्मज्ञान

देशप्रेम की भावना से प्रोत्साहन

सार्वजनिक कल्याण

राजनीतिक जागृति

क्रांति एवम् विद्रोह की असंभावना :- गिलक्राइस्ट, "लोकप्रिय सरकार सर्वसम्मति की सरकार है, इसलिए स्वभाव से ही वह क्रांतिकारी नहीं होती है।"

जनता को राजनीतिक प्रशिक्षण :- गेटेल, "प्रजातंत्र नागरिकों के प्रशिक्षण के लिए विद्यालय का काम करता है।"

शासन की कुशलता

नैतिकता और मानवीय मूल्यों पर आधारित

सामाजिक एवं आर्थिक सुधार

लोकप्रिय तथा स्थायी शासन

स्वशासन, समानता और संप्रभुता का नारा।

WWW.CONNECTSCHOOL.COM
PAGE NO.
DATE : / /

प्रजातंत्र की सफलता की आवश्यक शर्तें :-

प्रजातंत्रात्मक आस्था (Democratic faith) :- प्रजातंत्र में प्रजातंत्रात्मक आस्था होना जरूरी है।

जन जागरूकता (Consciousness of the people) :- जबतक प्रजातंत्र की रक्षा के लिए जनता जागरूक नहीं होती, अपने अधिकारों और कर्तव्यों से अबोध रहती है तबतक प्रजातंत्र की सफलता की कामना नहीं कर सकते हैं।

सामाजिक और आर्थिक समता :- आर्थिक समानता के अभाव में प्रजातंत्र सफल नहीं हो सकता। कोल, "आर्थिक समानता के अभाव में राजनीतिक स्वतंत्रता मात्र एक भ्रम है।" जवाहरलाल नेहरू, "एक भूखे व्यक्ति के लिए मत का कोई महत्व नहीं।" रूसो, "समानता के अभाव में स्वतंत्रता संभव नहीं हो सकती।"

समाचारपत्रों की स्वतंत्रता :- ब्राइस, "बड़े देशों में समाचारपत्रों द्वारा ही प्रजातंत्र सफल हो सकता है।"

स्वस्थ एवं सच्चा लोकमत :-

राजनीतिक दल :-

जनता का आदर्श चरित्र :-

स्थानीय स्वराज्य :-

शांति एवं सुरक्षा :-

कानून का शासन :-

राष्ट्रीय एकता की भावना :-

सहिष्णुता की भावना :-

नागरिक स्वतंत्रता का वातावरण :-

आकाशवाणी की स्वतंत्रता और निष्पक्षता :-

Dr. Akhlakh Ahmad
Assistant Professor
Dept of Political Sc.
D.K. College, Dumraon

Scanned with CamScanner